'माँ' योजना में करीब 2000 मरीजों को मिला नया जीवन

34 माह में 1310 किडनी, 563 बोन मैरो और 112 लीवर ट्रांसप्लांट में मदद मिली, 671 मरीजों का कॉक्लियर इम्प्लांट हुआ

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर संचालित मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य (मां) योजना गंभीर बीमारियों से जूझ रहे जरूरतमंद मरीजों के लिए जीवन का सहारा बन रही है। महंगे अंग प्रत्यारोपण का खर्च उठाने में असमर्थ परिवारों को योजना के तहत नि:शुल्क कैशलेस उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। वर्तमान राज्य सरकार के 34 माह के कार्यकाल में योजना के तहत करीब 2 हजार अंग प्रत्यारोपण किए गए हैं। इसके अलावा 671 लोगों का कॉक्लियर इम्प्लांट किया गया है।

योजना के तहत वर्तमान सरकार के कार्यकाल में अब तक 1310 मरीजों का कैशलेस किडनी प्रत्यारोपण किया गया, जबकि पूर्ववर्ती सरकार के पूरे कार्यकाल में यह संख्या 748 थी। किडनी प्रत्यारोपण पर वर्तमान सरकार ने 58 करोड़ रुपये व्यय किए हैं।



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

राज्य सरकार का कहना है कि बोन मैरो प्रत्यारोपण की सुविधा पूर्ववर्ती सरकार के समय 88 लाभार्थियों को मिली थी, जबकि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में यह संख्या बढ़कर 563 हो गई। इस पर व्यय राशि 5.74 करोड़ रुपये से बढ़कर 35 करोड़ रुपये हो गई। इसी तरह वर्तमान सरकार के कार्यकाल में 112 मरीजों का लीवर प्रत्यारोपण किया गया, जबकि पिछली सरकार के समय यह संख्या 60 थी। इसके अलावा 9 मरीजों का हृदय प्रत्यारोपण हुआ। कॉक्लियर इम्प्लांट की सुविधा भी वर्तमान सरकार के 34 माह में 671 लोगों को मिली, जबकि पिछली सरकार के पांच वर्षों में 366 लाभार्थियों को यह सुविधा मिली थी।

दूसरे राज्यों में भी प्रत्यारोपण की सुविधा

'माँ' योजना में पहली बार अंतरराज्यीय पोर्टेबिलिटी की सुविधा शुरू की गई, जिससे राजस्थान के मरीज दूसरे राज्यों में भी अंग प्रत्यारोपण करा सके।

इसके तहत 106 मामलों में करीब 6 करोड़ रुपये की सहायता दी गई। इनमें 79 किडनी, 12 लीवर, 8 बोन मैरो, 4 फेफड़े और 3 हृदय प्रत्यारोपण के मामले शामिल है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर योजना का दायरा बढ़ाते हुए उपचार पैकेजों की संख्या 1800 से बढ़ाकर करीब 2200 की गई।

इससे सामान्य बीमारियों से लेकर रोबोटिक शल्य चिकित्सा तक और नवजात से बुजुर्गों तक को लाभ मिल रहा है। पिछले 34 माह में करीब 50 लाख लोगों को योजना के तहत नि:शुल्क उपचार मिला है, जिस पर राज्य सरकार ने लगभग 10,678 करोड रुपये खर्च किए हैं।

प्रदेश में मातृ और नवजात स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करें : वी. श्रीनिवास

मुख्य सचिव ने ऑपरेशन थिएटरों के नियमित संचालन, आशा सहयोगिनियों से उप स्वास्थ्य केन्द्रों को जोड़ने व मातृ मृत्यु दर घटाने पर जोर दिया



मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने बुधवार को चिकित्सा विभाग के अधिकारियों की बैठक ली।

जयपुर । प्रदेश में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं को समय पर उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने मातृ मृत्यु दर में कमी लाने, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के ऑपरेशन थिएटरों को क्रियाशील रखने तथा 108 एंबुलेंस और 104 जननी एक्सप्रेस सेवाओं को प्रभावी बनाने पर जोर दिया।

शासन सचिवालय में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत राजस्थान स्टेट हेल्थ सोसायटी की 20वीं गवर्निंग बॉडी की बैठक में श्रीनिवास ने मा वाउचर योजना, विशेषज्ञ ओपीडी, आईपीडी और शल्य चिकित्सा सेवाओं को मजबूत करने के निर्देश दिए। अधिक रोगी भार वाले अस्पतालों में ऑपरेशन थिएटरों को मॉड्यूलर थिएटर के रूप में उन्नत करने, उप स्वास्थ्य केंद्रों को आशा सहयोगिनियों से जोड़ने तथा टीबी मुक्त अभियान और यूनिसेफ के सहयोग से जनजागरूकता गतिविधियां बढ़ाने को भी कहा।

प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने प्रसवपूर्व जांच, उच्च जोखिम वाली गर्भावस्थाओं की पहचान और निगरानी सहित विभागीय प्रयासों की जानकारी दी।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मिशन निदेशक डॉ. जोगाराम ने बताया कि एसआरएस 2022-24 के अनुसार राजस्थान में मातृ मृत्यु अनुपात प्रति एक लाख जीवित जन्म पर 87 है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में सितंबर तक 12 सप्ताह से पहले गर्भावस्था पंजीकरण 89.4 प्रतिशत और चार प्रसवपूर्व जांचों का कवरेज 91.79 प्रतिशत रहा। प्रदेश में 12,478 आयुष्मान आरोग्य मंदिर क्रियाशील हैं तथा वर्ष 2025 में 6,547 ग्राम पंचायतें टीबी मुक्त घोषित की गईं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के लिए वर्ष 2026-27 में लगभग 4,278 करोड़ रुपये के संसाधन प्रावधान की जानकारी भी दी गई। बैठक में कुंजी लाल मीणा, आलोक गुप्ता, दिनेश कुमार, राजेश कुमार यादव, हेमंत कुमार गेरा, वैभव गालरिया और सुबीर कुमार सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

राज्यपाल ने किया ''शक्ति वंदन मोबाइल एप'' का लोकार्पण

महिलाओं को उद्यमी और रोजगार सृजन बनाने के लिए पूर्व मेयर डॉ. सौम्या गुर्जर के प्रयासों की सराहना

जयपुर । राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने बुधवार को ''शक्ति संवाद, उद्यम उत्सव'' के तहत ''शक्ति वंदन मोबाइल एप'' का लोकार्पण किया। उन्होंने महिला उद्यिमता प्रदर्शनी का अवलोकन कर महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और उद्यिमता को प्रोत्साहित करने के लिए सामूहिक प्रयासों का आव्हान किया।

राज्यपाल ने 'सेवायाम संस्था' के अंतर्गत महिला उद्यिमता को बढावा देने और उनकी सुरक्षा से जुड़े इस एप को महत्वपूर्ण पहल बताया। उन्होंने जयपुर नगर निगम की पूर्व महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि महिलाओं को उचित अवसर, मार्गदर्शन और सहयोग मिले तो वे परिवार, समाज और राष्ट्र की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं।



राज्यपाल हरिभाऊ बागडे और पूर्व महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने महिला उद्यमिता प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

बागडे ने कहा कि 'शक्ति वंदन' अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'वोकल फॉर लोकल' विचार से प्रेरित है। महिलाओं को केवल योजनाओं की लाभार्थी के रूप में नहीं, बल्कि उद्यमी, रोजगार सृजित करने वाली नेतृत्वकर्ता और विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदार के रूप में पहचान मिलनी चाहिए।

उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार की 'बेटी बचाओ, बेटी पढाओ' और 'लाडली बहना' जैसी योजनाओं का उल्लेख करते हुए महिला उद्यिमता को प्रोत्साहित करने के लिए अधिक प्रयास करने पर जोर दिया। इससे पहले डॉ. सौम्या गुर्जर ने महिला उद्यिमता को बढावा देने और महिलाओं की सुरक्षा के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। राज्यपाल ने प्रदर्शनी में विभिन्न स्टॉलों पर प्रदर्शित उत्पादों का अवलोकन किया और लोगों से महिला उद्यिमयों के उत्पाद खरीदकर उन्हें प्रोत्साहित करने का आव्हान किया।

झोटवाड़ा में 3180 किलो खराब किशमिश व 480 पैकेट अखरोट नष्ट

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के मार्गदर्शन तथा प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ के निर्देशन में चल रहे ''शुद्ध आहार-मिलावट पर वार'' अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा विभाग ने झोटवाड़ा औद्योगिक क्षेत्र के कोल्ड स्टोरेज में कार्रवाई की। यहां 7-8 वर्ष पुरानी किशमिश और अखरोट मिलने पर 3180 किलो खराब किशमिश और 480 पैकेट अखरोट संबंधित फर्मों की सहमति से नष्ट करवाए गए।आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण अविचल चतुर्वेदी के निर्देश पर अतिरिक्त आयुक्त भगवत सिंह के मार्गदर्शन और संयुक्त आयुक्त वी.पी. शर्मा के पर्यवेक्षण में कार्रवाई की गई। किशमिश और अखरोट से संबंधित फर्म मैसर्स अर्चना एंटरप्राइजेज तथा दिल्ली ट्रेडिंग कंपनी के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में सामग्री नष्ट करवाई गई।एक अन्य कार्रवाई में मैसर्स मातेश्वरी ट्रेडिंग कंपनी की काली मिर्च का नमूना जांच के लिए लिया गया और मिलावट के संदेह में 1018 किलो काली मिर्च सीज की गई।

राजस्थान में एसआईआर के दौरान 41.85 लाख नाम काटे : लांबा

जयपुर । अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा ने राजस्थान में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान मतदाता सूची से बड़ी संख्या में नाम बाहर होने पर सवाल उठाए। उन्होंने चुनाव आयोग से पात्र मतदाताओं के मताधिकार की सुरक्षा, पारदर्शी सत्यापन और शिकायतों के निष्पक्ष निस्तारण की मांग की। साथ ही 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली कांग्रेस की 'चलो दिल्ली-वोट चोर, गद्दी छोड़' महारैली में शामिल होने की अपील की।

जयपुर में बुधवार को लांबा ने निर्वाचन विभाग के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि 27 अक्टूबर 2025 को राजस्थान में 5 करोड़ 46 लाख 56 हजार 215 मतदाता दर्ज थे, जबकि 16 दिसंबर 2025 की प्रारूप सूची में 5 करोड़ 4 लाख 71 हजार 324 नाम शामिल थे। इस तरह करीब 41.85 नाम प्रारूप सूची से बाहर रहे। इनमें करीब 8.75 लाख मृत मतदाताओं, 29.6 लाख स्थानांतरित या अनुपस्थित मतदाताओं और 3.44 लाख एक से अधिक स्थानों पर पंजीकृत मतदाताओं की श्रेणी में रखे गए। उन्होंने कहा कि स्थानांतरित या अनुपस्थित होने का अर्थ अपने आप मतदाता बनने की अयोग्यता नहीं है। पात्र नागरिकों को अपना पक्ष रखने, नाम जुड़वाने और अपील करने का पूरा अवसर मिलना चाहिए।

कर चोरी पर वाणिज्यिक कर विभाग की कार्रवाई

जयपुर । प्रदेश में कर चोरी के खिलाफ वाणिज्यिक कर विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए छह व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की जांच की। इस दौरान करदाताओं ने कुल 1 करोड़ 22 हजार रुपये स्वैच्छिक रूप से जमा कराए अथवा इलेक्ट्रॉनिक कैश लेजर में जमा किए। कार्रवाई में बिक्री छिपाने, बिना उचित बिल खरीद-बिक्री, स्टॉक में अंतर और गलत इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) लेने जैसी अनियमितताओं की जांच की गई।

अजमेर के केसरगंज स्थित मैसर्स रेवतीलाल सत्येन्द्रकुमार जैन के यहां अघोषित स्टॉक और जीएसटी विवरणियों में आईटीसी संबंधी अंतर की आशंका पर कार्रवाई की गई। करदाता ने 30 लाख रुपये जमा कराए। किशनगढ़ स्थित मैसर्स श्री बिहारी प्रोडक्ट्स ने आईटीसी संबंधी विसंगतियां स्वीकार करते हुए कर और ब्याज सहित 13.22 लाख रुपये जमा कराए। शेष विसंगतियों के सत्यापन के लिए सात दिन में दस्तावेज प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए।

डीडवाना-कुचामन जिले के मकराना स्थित मैसर्स अमन मार्बल इंडस्ट्रीज पर बिना उचित बिल कारोबार और आईटीसी के अत्यधिक उपयोग की आशंका में जांच की गई। फर्म ने 20 लाख रुपये इलेक्ट्रॉनिक कैश लेजर में जमा कराए। विभाग ने कुछ दस्तावेज जब्त किए और आवश्यक अभिलेखों के सत्यापन के लिए समन जारी किया। जयपुर के चौड़ा रास्ता स्थित मैसर्स मनोहर लाल एंड संस के यहां प्रतिबंधित आईटीसी और स्टॉक में विसंगतियों की जांच की गई। करदाता ने अप्रैल से सितंबर 2026 की अवधि के लिए कर और जुर्माने सहित 14.18 लाख रुपये जमा कराए।चित्तौड़गढ़ जिले के बेगूं स्थित पारस जनरल स्टोर पर बिक्री और कारोबार छिपाने की आशंका में जांच की गई।

20 लाख रुपए से भरा बैग लूटने वाले तीन बदमाश गिरफ्तार

आरोपियों के कब्जे से 18.93 लाख रुपए, मोबाइल और स्कूटी बरामद

जयपुर। नाहरगढ़ थाना पुलिस ने व्यापारियों से कैश कलेक्शन कर लौट रहे युवकों से बीस लाख रुपए से भरा बैग लूटने के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटी गई रकम में से 18 लाख 93 हजार रुपए, एक मोबाइल और वारदात में इस्तेमाल की गई स्कूटी बरामद की है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करण शर्मा ने बताया कि नाहरगढ़ थाना पुलिस ने व्यापारियों से कैश कलेक्शन कर लौट रहे युवकों से बीस लाख रुपए से भरा बैग लूट कर फरार हुए बदमाश फैजान (20) निवासी गणगौरी बाजार हाल शास्त्री नगर, आदिल (21) निवासी कल्याण जी का रास्ता कोतवाली हाल भट्टा बस्ती और कैफ (21) निवासी भट्टा बस्ती जयपुर को गिरफ्तार किया। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपी नशे और महंगे शौक के आदी हैं। वे पहले नकदी लाने-ले जाने वालों की रेकी करते और फिर उन्हें निशाना बनाकर लूट की वारदात करते थे।

थानाधिकारी भंवर सिंह राठौड ने बताया कि परिवादी चंपालाल ने 26 अक्टूबर को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह अपने साथी हितेश कुमार के साथ सीकर हाउस से व्यापारियों से नकदी एकत्र कर जयलाल मुंशी का रास्ता स्थित एक दुकान पर पहुंचे थे। हितेश दुकान के अंदर भुगतान लेने गया, जबकि चंपालाल स्कूटी पर बैठा रहा। रुपयों से भरा बैग स्कूटी के पायदान पर रखा था।

इसी दौरान स्कूटी सवार दो युवक बैग छीनकर फरार हो गए। बैग में करीब 20 लाख रुपए बताए गए थे। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की और वारदात की गंभीरता को देखते हुए विशेष टीम गठित की गई।

टीम ने घटनास्थल और आरोपियों के भागने के रास्ते के 100 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगाल कर तकनीकी विश्लेषण करते हुए तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया।

रावत और जोधपुर मिष्ठान्न भंडार पर कार्रवाई

जयपुर । उपभोक्ता मामले मंत्री सुमित गोदारा के निर्देश पर विधिक मापविज्ञान प्रकोष्ठ ने पैकेज्ड वस्तुओं पर अनिवार्य घोषणाओं और पैकर पंजीकरण में अनियमितताओं के खिलाफ कार्रवाई की। जयपुर में तीन विशेष टीमों ने मिठाई, नमकीन और अन्य पैकेज्ड वस्तुओं के प्रतिष्ठानों की जांच की।

26 अक्टूबर को खातीपुरा मोड क्वींस रोड स्थित जोधपुर मिष्ठान भंडार के प्रतिष्ठान पर पैकर पंजीकरण नहीं मिलने और पैकेटों पर अनिवार्य घोषणाएं अंकित नहीं होने पर पैकेट जब्त कर 15 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। इसी तरह 27 अक्टूबर को गौरव टावर, मालवीय नगर स्थित रावत मिष्ठान्न भंडार के आउटलेट पर सूखे मेवों के उपहार पैकेटों में अनियमितता और पैकर पंजीकरण नहीं मिलने पर पैकेट जब्त कर नोटिस जारी किया गया तथा 5 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया।

हाईवे पर राहगीरों से लूटपाट करने वाली गैंग के तीन बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। हरमाड़ा पुलिस ने दिल्ली-अजमेर हाईवे पर राहगीरों से मारपीट कर लूटपाट करने वाली गैंग का पर्दाफाश करते हुए तीन आरोपियों को बापर्दा गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने 63 वर्षीय मोहनलाल जांगिड़ से मारपीट कर मोबाइल फोन और 7300 रुपए लूट लिए थे। पुलिस ने आरोपियों से लूटी गई नकदी और दस्तावेज बरामद कर लिए हैं, जबकि मोबाइल की बरामदगी के प्रयास जारी हैं।

डीसीपी वेस्ट प्रशांत किरण ने बताया कि हरमाड़ा थाना पुलिस ने दिल्ली-अजमेर हाईवे पर राहगीरों से मारपीट कर लूटपाट करने वाली गैंग के शातिर बदमाश ललित कुमार वर्मा उर्फ टमाटर (20) निवासी गंगापुर सिटी हाल मुरलीपुरा, अंकित कुमार सिंह (22) निवासी मधुबनी (बिहार) हाल मुरलीपुरा स्कीम और गणेश कुमावत उर्फ कान्हा (25) निवासी तिगरिया चौमूं को गिरफ्तार किया है।

थानाधिकारी नरेंद्र भड़ाना ने बताया कि आरोपियों का पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड भी सामने आया है। ललित के खिलाफ हरमाड़ा थाने में 2024 का मामला न्यायालय में विचाराधीन है। अंकित के खिलाफ मुरलीपुरा थाने में 2024 में चोरी का मामला दर्ज है। गणेश के खिलाफ मुरलीपुरा थाने में आर्म्स एक्ट और आबकारी अधिनियम सहित अन्य मामले दर्ज हैं, जो विचाराधीन हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। लूटे गए मोबाइल की बरामदगी के प्रयास जारी है। थानाधिकारी ने बताया कि सीकर जिले के जयरामपुरा निवासी मोहनलाल जांगिड ने हरमाड़ा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह दिल्ली-अजमेर हाईवे पर नंबर-14 पुलिया की स्लिप लेन से उतरकर अपने भाई के घर जा रहे थे। इसी दौरान दो युवकों ने उनका मोबाइल छीन लिया।

विरोध करने और शोर मचाने पर दो-तीन अन्य युवक भी वहां पहुंच गए। आरोपियों ने उनके साथ मारपीट कर जेब में रखे 7 हजार 300 रुपए लूट लिए और चाकू दिखाकर जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। वहीं मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने विशेष टीम गठित की।

टीम ने घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले और संदिग्धों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया।

फर्नीचर गोदाम में भीषण आग लगने से लाखों का माल जलकर राख

- एक किलोमीटर दूर तक दिखीं लपटें, एक घंटे की मशक्कत के बाद दमकल ने पाया काबू

जयपुर। खोह नागोरियान क्षेत्र में मंगलवार-बुधवार की मध्यरात्रि को खानियां बंधा स्थित फर्नीचर गोदाम में भीषण आग लग गई। आग की लपटें और धुएं का गुबार करीब एक किलोमीटर दूर तक दिखाई दिया। सूचना पर पहुंची दमकल की टीमों ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हादसे में किसी जनहानि की सूचना नहीं है, लेकिन गोदाम में रखा तैयार फर्नीचर और कच्चा माल जलकर खाक हो गया। प्रारंभिक तौर पर आग का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अग्निशमन अधिकारी गौतम लाल ने बताया कि मंगलवार-बुधवार की मध्यरात्रि को कंट्रोल रूम को खानियां बंधा स्थित फर्नीचर गोदाम में आग लगने की सूचना मिली थी। इस पर दमकल की गाड़ियां तत्काल मौके पर भेजी गईं। आग की लपटें तेज होने और धुआं दूर तक फैलने के कारण कर्मचारियों को आग बुझाने में काफी मशक्कत करनी पडी। गोदाम में तैयार फर्नीचर और कच्चा माल रखा था, जिसका बड़ा हिस्सा आग की चपेट में आ गया। घटना के बाद आसपास के लोग मौके पर एकत्र हो गए। खोह नागोरियान थाना पुलिस ने भी मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली। फिलहाल नुकसान का आकलन किया जा रहा है। आग लगने के वास्तविक कारणों का पता जांच के बाद चलेगा। इधर आगरा रोड पर आग बुझाने के लिए जा रहे दमकल वाहन की चपेट में आने से बनीपार्क फायर स्टेशन पर कार्यरत ठेका कर्मचारी फायरमैन दीपेंद्र पाठक घायल हो गए। जानकारी के अनुसार वह आग बुझाने के लिए दमकल वाहन रवाना हो रहा था। तभी पाठक वाहन के नीचे आ गए। हादसे में उनके पैर में गंभीर चोट आई है। उन्हें एसएमएस अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार चल रहा है।

ज्वैलरी व्यवसायियों को बंदूक के दम पर रोका

जयपुर। जामडोली क्षेत्र के भरत विहार में बुधवार देर रात बाइक सवार बदमाशों ने दो ज्वेलरी व्यवसायियों को बंदूक के दम पर रोक कर लाठी-डंडों से मारपीट की और हवाई फायर करते हुए फरार हो गए। इस वारदात में सोनू के सिर और निशू के हाथ में चोट आई है। दोनों घायलों को उपचार के लिए एसएमएस अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं इस दौरान बचाव में आई एक महिला पर भी गोली चलाई गई, लेकिन गनीमत रही कि उसे गोली नहीं लगी। वारदात के बाद इलाके में दहशत फैल गई। घटना सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई।

थानाधिकारी रत्न सिंह ने बताया कि बाइक सवार बदमाशों ने भरत विहार निवासी ज्वेलरी व्यवसायी सोनू और निशू को रोका। इसके बाद उनके साथ मारपीट की और हवाई फायर कर मौके से फरार हो गए। अचानक हुई वारदात से इलाके में दहशत फैल गई।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल भिजवाया। आरोपियों की धरपकड़ के लिए क्षेत्र में नाकाबंदी करवाई गई है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज के आधार पर बदमाशों की पहचान करने में जुटी है।

बैक डेट में फर्जी ताइक्वांडो प्रमाण पत्र बनवाकर नौकरी पाने वाले 4 गिरफ्तार

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । तृतीय श्रेणी शिक्षक (लेवल-1) भर्ती-2022 में फर्जी ताइक्वांडो खेल प्रमाण पत्रों के आधार पर चयन सूची में स्थान हासिल करने के मामले में स्पेशल ऑपरेशन्स ग्रुप (एसओजी) ने शारीरिक शिक्षक सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। चारों आरोपियों ने जयपुर महानगर द्वितीय के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष आत्मसमर्पण किया था। इसके बाद एसओजी ने उन्हें गिरफ्तार कर पुलिस रिमांड पर लिया।

एसओजी के अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस विशाल बंसल ने बताया कि कर्मचारी चयन बोर्ड, दुर्गापुरा की ओर से वर्ष 2022 में आयोजित भर्ती में खेल कोटे के तहत दो प्रतिशत अभ्यर्थियों का चयन किया जाना था। ताइक्वांडो खेल प्रमाण पत्रों के आधार पर दो गुना चयन सूची में 38 अभ्यर्थियों ने स्थान प्राप्त किया था। इन अभ्यर्थियों ने शिक्षा विभाग की चयन समिति के समक्ष राष्ट्रीय स्तर के खेल प्रमाण पत्र प्रस्तुत किए थे।

फर्जी ईमेल से भेजी गई सत्यापन रिपोर्ट



एसओजी में दर्ज प्रकरण की जांच में सामने आया कि कथित तौर पर विभिन्न दलालों के माध्यम से फर्जी खेल प्रमाण पत्र बनवाए गए थे। इन प्रमाण पत्रों के सत्यापन के लिए ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया से मिलती-जुलती फर्जी ईमेल आईडी से प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय, बीकानेर की नियुक्ति शाखा को सत्यापन रिपोर्ट भेजी गई थी।

इस मामले में फर्जी ईमेल से सत्यापन रिपोर्ट भेजने के आरोप में बिमलेन्दू कुमार झा और उसके साथी कमल सिंह को 7 मई 2025 को गिरफ्तार किया गया था। इसके अलावा स्थानीय पुलिस की मदद से पहले 20 अभ्यर्थियों, तीन सहयोगियों और एक दलाल को भी गिरफ्तार किया जा चुका है।

मामले में धोखाधड़ी, कूटरचना, फर्जी दस्तावेजों के इस्तेमाल, आपराधिक षड्यंत्र और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66डी के तहत जांच की जा रही है।

पीटीआई रामचंद बेनीवाल भी गिरफ्तार

विशाल बंसल के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों में रामचंद बेनीवाल (41), निवासी डेह, नागौर, जो वर्तमान में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सिरमा, ब्यावर में शारीरिक शिक्षक के पद पर कार्यरत है; देवी, निवासी बाड़मेर; धोलाराम (26), निवासी करवाड़ा, सांचौर-जालौर; और विकास कुमार (26), निवासी धोरीमन्ना, बालोतरा शामिल हैं।

प्रारंभिक जांच में सामने आया कि रामचंद बेनीवाल और पूर्व में गिरफ्तार आरोपी जगदीश सारण ने हरियाणा के रोहतक निवासी सतीश डूल से राष्ट्रीय स्तर के खेल प्रमाण पत्र बनवाने के लिए संपर्क किया था। आरोप है कि सतीश डूल ने विकास कुमार, धोलाराम और देवी से चार-चार लाख रुपए लेकर पिछली तारीख के ताइक्वांडो प्रमाण पत्र उपलब्ध कराए।

अभ्यर्थियों से 5-5 लाख रु. लेने का आरोप

एसओजी के अनुसार रामचंद बेनीवाल पर पूर्व में गिरफ्तार आरोपियों मुमताज, बबीता जाखड़, मांगीलाल, नरेंद्र बिडियासर, ममता कुमारी और ज्योतिरादित्य से पांच-पांच लाख रुपए लेकर पिछली तारीख के ताइक्वांडो प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने का भी आरोप है।

इन प्रमाण पत्रों के आधार पर संबंधित अभ्यर्थियों के नाम शिक्षक भर्ती की दो गुना चयन सूची में आए थे और उन्होंने दस्तावेज सत्यापन के दौरान प्रमाण पत्र जमा करवाए थे। एसओजी ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर पुलिस रिमांड पर लिया है। उनसे पूछताछ के आधार पर मामले में अन्य लोगों की भूमिका और कथित फर्जी प्रमाण पत्रों से जुड़े लेन-देन की जांच की जा रही है।